**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** मैडम, मैं इस संदर्भ में दो-तीन बातें आपकी मार्फत सरकार से कहना चाहता हूं। टूरिस्ट ट्रैफिक फौरन का भी है, हिन्दुस्तान का भी है और इसको लिहाज में रखकर सर्विसेज बढाई जा सकती है। सर्विसेज की फ्रीक्वेंसी बढाई जा सकती हैं लेकिन कोई न कोई बेसिक स्ट्राक्चर इंडियन एयर लाइन्स को हवाई नक्शे का बनाना चाहिए जिसमें सारे महत्वपूर्ण स्थान कवर हो जाये और उसको डिस्टर्ब करने की जरूरत नहीं है । एडिशनल ट्रैफिक के लिए आप एडिशनल प्लेन्स की व्यवस्था करिये । आप वैट प्लेन्स करते हैं बाहर भेजने के लिए या कुछ करने कि लिए तो यह इंडियन एयर लाइन्स के बेसिक स्ट्रक्चर में नहीं होना चाहिए ।

आज इंडियन एयर लाइन्स के स्ट्रक्चर को बढाने की जरूरत है । अगर बड़े-बड़े प्लेन्स आज अनुपयोगी हो गये है तो छोटे प्लेन्स लेने की आवश्यकता है । उस पर तीन-तीन साल से फैसला न हो और उसके कारण सारे हिन्दुस्तान की एयर ट्रैवलिंग पैसेन्सर्ज को तकलीफ हो तो ऐसा नहीं होना चाहिये । खासकर जोधपुर के लिए जो वायु सेना का हैड क्वार्टर है, थल सेवा का हैड क्वार्टर है,बार्डर सिक्योरिटी फोसेंस का सारा वेस्टर्न बार्डर जहां से कंट्रोल होता है, ऐसी जगहों को भी आप रेग्युलर एयर सर्विसेस प्रोवाइड नहीं कर रहे हैं जो इंडियन एयर लाइन्स एक बहुत बड़ी अनिवार्य सेवा है जो देश की एकता और सुरक्षा के लिए आवश्यक भी है। इसमें गलती होती है । मैं आपकी मार्फत सरकार से यह कहना चाहता हूं कि जोधपुर ट्रैफिक को रेग्यूलर एयर लाइन्स की सर्विसेज पर इमिडियेटली लाया जाये और एडिशनल टूरिस्ट ट्रैफिक के लिए रेग्यूलर ट्रैफिक को डिस्टर्ब किये बिना एडिशनल प्लेन्स की व्यवस्था की जाये खासकर अब जबकि हमने प्राइवेट एयर लाइन्स के लिए स्कोप खोला है । बहुत से काम उनकी मार्फत करवाये जा सकते हैं । लेकिन हिन्दुस्तान के हवाई जहाज से ट्रैवल करने वाले आम नागरिकों के लिए कोई आधार निश्चित होना चाहिये कि कौन सा प्लेन कब जायेगा, कितने बजे जायेगा, कितनी बार जायेगा इसमें रोजाना तबदीली होना,टेक्रीकल कारणों से जो प्लेन्स ग्राउन्ड कर दिये गये हैं, मैं उनकी बात नहीं कर रहा हूं ,वह यहां नहीं कर पायेंगे,टेक्रीकल रीजन्स से जो प्लेन ग्राउन्ड कर दिये गये हैं उनको तो अलग से, जब इंडियन एयर लाइन्स के सारे फंक्शनिंग पर विचार होगा तब बात होगी । लेकिन नार्मल केसेज में प्लेन डायवर्ट कर दिये जायें या ओ.के. पैसेन्जर्स को आफ लोड कर दिया जाये या विदाउट नोटिस फ्रीक्वेन्सी घटा दी जाये तो कोई न कोई इसके लिए पुख्ता इंतजाम होना चाहिये । यही मैं आपकी मार्फत सरकार से कहना चाहता हूं ।

SHRI N.K.P, SALVE: Madam, I associate myself with every word of what Bhandariji said, except that it applies *mutatis mutandis* to services between Delhi and Nagpur-Raipur.

**श्री सुन्दर सिंह भंडारी :** मैडम, मेरा यह भी कहना है कि राजस्थान को जाने वाली इंडियन एयर लाइन्स के किसी भी प्लेन में एजिक्यूटिव क्लास नहीं है । शायद यह अकेला ऐसा प्रान्त है जो एग्जिक्यूटिव क्लास सर्व नहीं करता । इसके साथ यह उपेक्षा क्यों की जा रही है ?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Now, we have a number ot Zero Hour submissions and Special Mentions. I would like to take the sense of the House.

SHRI JOHN F. FERNANDES. Madam, we can forego the lunch-break.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Not the lunch-break, but the lunch hour.

1.00 P.M.

So we can forgo the lunch hour. Of course, you can go and have lunch. I think today and tomorrow are the last two days. I would like all of these to be finished. If they are not finished in the lunch hour, we can take up the legislative business and allow them to spill over.

THE MINISTER OF SURFACE TRANSPORT (SHRI T.G. VENKATRAMAN): Madam, with regard to the Zero Hour, as pointed out by hon. Members, as there is no rule or...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Under one condition the Members are allowing you to move the Bill. You return back to the House, ...*(Interruptions)*...

SHRI T.G. VENKATRAMAN: It is not with regard to the Bill...

THE DEPUTY CHAIRMAN: Because he has a Bill in the Lok Sabha, that is the reason why I am being indulgent. He requested me because he